कार्यालय जिला उद्योग केन्द्र,बाड़मेर (राज.)

हस्तशिल्प एवं दस्तकारी इकाईयों /कलस्टर्स की सूचना

बाड़मेर जिले में हस्तशिल्प/दस्तकारी कीं लगभग 2500ईकाइया स्थाई पंजीकृत है। इनमें ब्लॉक हैण्डीक्राप्ट प्रिन्ट, कांच कशीदाकारी, लकड़ी पर कारविंग, मिट्टी के बर्तन , उन्नी पट्टू, चर्म कशीदाकारी जूती आदि प्रमुख उत्पाद है। जिनकी देश एंव विदेश में अच्छी मांग है। इसके अतिरिक्त कुछ N.G.O.भी इस क्षेत्र में प्रशिक्षण एवं अन्य कार्य करवा रहे हैं । बाड़मेर जिले में निम्नलिखित दस्तकारी समूह विद्यमान है, जो परम्परागत तरीके से शिल्पकला का कार्य करते हैः–

1.**<u>कपड़े पर कांच कशीदा एवं पैचवर्कः–</u>**बाड़मेर शहर एंव प.स. ग्रामीण एरिया रामसर, प.स. चौहटन में धनाऊ, सरूपे का तला, बींजासर , मीठे का तला, आलमसर , बूठ बावड़ी , मिठड़ाऊ, तहसील शिव के गडरारोड़ , जयसिन्धर, राणासर, खुडानी, हरसाणी, गावों में कपड़े पर कांच कशीदाकारी एवं पैचवर्क कार्य महिलाए करती है जो इनके जीविकोपार्जन का साधन है, इनकी संख्या लगभग 6000हैं इससे इनको मजदूरी औसतन 300/–मसिक तक मिलती है, इनको कच्चामाल हैण्डीक्राप्ट के थोक विक्रेता , उद्यमियों सेप्राप्त होता है! माल तैयार कर इन्हे ही वापिस दिया जाता हैं।

2.**<u>हैण्डीक्राप्ट प्रिन्टः–</u>**बाड़मेर शहर में कपड़े पर हाथ से ब्लॉक हैण्ड प्रिन्ट का कार्य लगभग 25–30 दस्तकारो द्वारा बेडशीट, लूंगी,पिलाकेवर , ड्रैस मेटेरियल आदि कर तैयार राजस्थान एवं अन्य राज्यो को भेजा जाता है! उक्त उत्पादो की अच्छी मांग है। सभी दस्तकार परम्परागत प्राकृतिक वेजीटेबल रंगो से उत्पाद तैयार करते है! उक्त इकाईयों में परिवार के सदस्य ही कार्य करते है! ग्रे क्लोथ स्थानीय बाजार एवं किशनगढ , मुम्बई, अहमदाबाद से मंगाते है।

3. **<u>चर्म जूतीः–</u>** चर्म जूती के बाड़मेर शहर , बालोतरा शहर, सिणन्धरी , पाटोदी , समदड़ी, सिवाना, पादरू में करीब 500 दस्तकार है, जो देशी जूती एवं चम्पल आदि बनाते हैं! ये लोग स्थानीय बाजार से कच्चा माल क्रय कर तैयार माल स्वंय की दुकान पर एव थोक विक्रेताओं को बेचते है। इसमें कुछ दस्तकार लेदर पर्स , बैग्स, स्टूल आदि बनाते है , जो मेला– प्रदर्शनियों में ले जाकर बेचते है।

4. **<u>हाथ कर्घा वस्त्र उत्पादः–</u>** बुनकरों द्वारा हाथ कर्घे से उनीशॅाल , कम्बल, पट्टू, एवं सूती खेसले , बनाये जाते है। ये बुनकर रानीगावं , सीलगण, भाडखा , बोथिया, भीमड़ा,
बिसाला–आगोर, बाछड़ाऊ, नोखड़ा, शिवकर,गिराब,बालेबा में काफी सख्या मे है।ये लोग परम्परागत ढंग से हाथकर्घे से वस्त्र बनाते हैं।

5.**<u>लकड़ी का नक्शी फर्नीचरः–</u>**बाड़मेर जिले में लकड़ी फर्नीचर पर नक्शी कार्य करने वाले लगभग 80 दस्तकार बाड़मेर शहर , चौहटन शहर, आलमसर तथा माहबार ग्रम में है। इनमें अधिकांश दस्तकार बड़ी इकाईयों में कार्यरत है, जिन्हे उनके काम के अनुसार करीब 100/–प्रतिदिन मजदूरी मिल जाती है। कच्चा माल स्थानीय बाजार में उपलब्ध है। अधिकांश

कार्य हाथ से नक्काशी का किया जाता है। इनके द्वारा तैयार माल टेबल,कुर्सी, सोफा, डाईनिंग टेबल, आदि मांग के आधार पर तैयार किये जाते है।

6.**मिट्टी के बर्तनः**–मिट्टी के घड़े, सुराई व अन्य बर्तन कुम्हार जाति के लोग परम्परागत ढंग से बनाते है। ग्राम भाडखा , बिसाला, पचपदरा एवं माहबार में करीब 100 परिवार हैं।

बाड़मेर जिले में निम्नलिखित संस्थाए कार्यरत है–

1. नेहरू युवा केन्द्र,बाड़मेर
2. विश्वकर्मा निमार्ण आपूर्ति विपणन संस्था बाड़मेर
3. श्री मारवाड़ विकास समिति, चौहटन
4. रेडी– बालोतरा
5. रेड्रस– बाड़मेर
6. धारा संस्थान ,बाड़मेर
7. महिला मण्डल बाड़मेर
8. नेहरू युवा कलचरल एण्ड वेलफेयर सोसायटी बाड़मेर
9. श्योर संस्था बाड़मेर ।

उपरोक्त संस्थाओं द्वारा बाबा साहब अम्बेडकर हस्तशिल्प योजनान्तर्गत हस्तशिल्पियों को विभिन्न ट्रेडस में प्रशिक्षण एवं मागदर्शन भारत सरकार की योजनान्तर्गत महिलाओं को कॉच कशीदाकारी एवं पैचवर्क का प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है। इन संस्थाओं के उक्त ट्रैडस के कई गावों में कलस्टर बने हुये है।

महाप्रबन्धक
जिला उद्योग केन्द्र,बाड़मेर